Contouring कंटूरिंग :

Contour is the imaginary line joining points of the same elevation.

Contouring means any tillage practice or mechanical treatment of land done across the slope on the contour.

ढाल के विपरीत कंटूर रेखा पर किसी भी प्रकार की कर्षण क्रिया को कण्टूरिंग कहते है।

Purpose of contouring :

1. कम वर्षा वाले क्षेत्रो में नमी की सुरक्षा
2. अधिक वर्षा वाले क्षेत्रो में ~~मृदा~~ मृदा क्षरण से बचाव
3. सम्पूर्ण क्षेत्र में नमी का समान वितरण
4. वर्षा के पानी को जो अपधावन के रूप में बहता है, गति में अवरोध करती है अतः पानी निचले धरातल पर एक साथ इकट्ठा नही होता। बाढ़ आने से बच जाती है।
5. Terrace की सुरक्षा करना
6. विभिन्न कृषि कार्यो में समय की बचत
7. विभिन्न कृषि कार्यो में शक्ति की बचत।

(8) विभिन्न कृषि कार्यों में मशीनों का प्रयोग कम करना।

Limitation of contour farming :-

(1) ढाल की लम्बाई 150' से अधिक होने पर कण्टूर खेती नहीं की जा सकती क्योंकि अपधावन से उत्पन्न जल वेग साधारण कण्टूर खेती में कूंडो में नहीं रुक पाता कण्टूर कूंड के स्थान पर कण्टूर मेड़ बन्दी करनी पड़ती है।

(2) अनुत्पादक भूमियां जैसे बंजर आदि भूमियों पर कण्टूर खेती से कोई लाभ नहीं बल्कि कण्टूर खेती उत्पादक भूमियो पर ही लाभ दायक है।

(3) जिन भूमियो के अधो सतह (Sub-surface) में अधिक भिन्नता पाई जाती है contouring सम्भव नहीं है।

(4) जिन भूमियों में अवनलिकाओं के निर्माण अथवा अपधावन का जल एकत्र होने की सम्भावना हो कण्टूर खेती सम्भव नहीं है।

Type of contour farming :-

(1) Field contouring (क्षेत्र कण्टूर खेती)

(2) Orchard contouring (उद्यान कण्टूर खेती)

(3) Pasture Contouring चारागाह कण्टूर खेती।

Scanned with CamScanner

(4) Flood control contouring बाढ़ नियन्त्रक कन्टूर खेती

(1) **Field contouring :** क्षेत्र कन्टूर खेती की वेदिकाओ व पट्टी को खेती के साथ अपनाया जाता है कम ढालू क्षेत्र में कन्टूर खेती अकेले भी करते है शुष्क क्षेत्र में कन्टूर खेती बहुत ही लाभदायक है इन क्षेत्रों में कन्टूर पर कूड़ (furrow) बनाकर जल संरक्षण का उद्देश्य पूरा करते हैं। साधारण ढाल पर कन्टूर भू-परिष्करण क्रियाये अपक्षावन व मृदा कटाव रोकने में सहायक है। अधिक ढालू भूमि पर कूड़ो के बीच का फासला कम रखते है।

(2) **Orchard contouring :** जब भूमियो में ढाल 5% से अधिक हो एवं उद्यान की चौड़ाई 100' से अधिक हो, मृदा अपारगम्य (Impermeable) हो अथवा उसमें 8-10% तक बलुई दोमट (Sand loamy) की मात्रा हो तो इन परिस्थितियो में उद्यान कन्टूर खेती की जाती है उद्यानो में कन्टूर खेती का मुख्य उद्देश्य जल एवं भूमि संरक्षण है। छोटे उद्यान ढालू भूमियो पर 100' x 100' क्षेत्र के होते है इसमे प्रथम कूड़ को सबसे ऊँचे स्थान पर बनाते है तथा अन्य कूड़ इसके समान्तर ढाल पर बनाते है कूड़ो में हल्की ढलान (Slight Gradient) उद्यान के एक ओर देनी चाहिए।

③ **Pasture contouring :-** बहुत कम क्षेत्रों में चरागाह कण्टूर खेती का प्रचलन है चारागाहों में घासों की उचित मात्रा होने पर कण्टूर खेती और न ही वेदिकाएं अधिक उपयोगी होती है। ढाल अधिक होने पर तथा भूमि अधिक चिकनी होने पर चारागाहों में भी कण्टूर कूड़ों का निर्माण करना लाभदायक है।

④ **Flood control contouring :-** कम ढालू क्षेत्रों में, कण्टूर पर बने कूड़ वर्षा के अधिकतर पानी को एकत्रित करके अपधावन की मात्रा को कम करते हैं ~~बाढ़ क्षेत्रों में कूड़ों की पानी रोकने की क्षमता~~ इस ढंग से खेती उन्ही क्षेत्रों में अधिक लाभदायक होती है जहां पर 1-2% तक ढाल पाये जाते हैं इस विधि से खेत में जुताई, बुआई, सिंचाई आदि कण्टूर रेखाओं पर ढाल के विपरीत ही करते हैं। जुताई करने को Contour cultivation सिंचाई करने को Contour irrigation ढाल के विपरीत मेड़ बनाने को Contour Bunding कहते हैं।